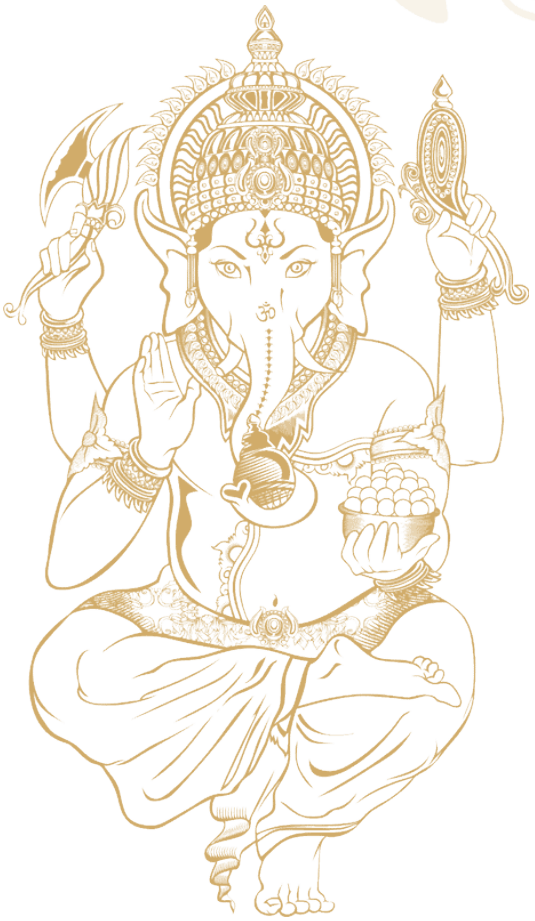

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119709803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/05/1996	जन्म तिथि	24-25/09/2000
रविवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 10:05:00	जन्म समय	04:45:00 घंटे
घटी 11:44:20	जन्म समय(घटी)	56:32:32 घटी
India	देश	India
Roorkee	स्थान	Saharanpur
29:52:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
77:53:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:28	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:16	सूर्योदय	06:09:19
19:06:23	सूर्यास्त	18:13:43
23:48:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:46

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 6मा 22दि	09:21:33	कर्क	लग्न	सिंह	19:04:25	केतु 6वर्ष 10मा 10दि
गुरु	04:40:35	वृष	सूर्य	कन्या	08:19:57	शुक्र
10/12/2020	24:10:03	वृष	चंद्र	सिंह	00:15:46	06/08/2007
10/12/2036	18:26:18	मेष	मंगल	सिंह	11:08:58	06/08/2027
गुरु 28/01/2023	28:19:23	मेष व	बुध	तुला	01:31:18	शुक्र 06/12/2010
शनि 11/08/2025	23:31:00	धनु व	गुरु	वृष	17:20:12	सूर्य 06/12/2011
बुध 17/11/2027	04:28:06	मिथु	शुक्र	तुला	06:32:08	चन्द्र 06/08/2013
केतु 23/10/2028	10:40:56	मीन	शनि व	वृष	06:58:34	मंगल 06/10/2014
शुक्र 24/06/2031	22:37:39	कन्या व	राहु व	मिथु	28:17:46	राहु 05/10/2017
सूर्य 11/04/2032	22:37:39	मीन व	केतु व	धनु	28:17:46	गुरु 05/06/2020
चन्द्र 11/08/2033	10:43:56	मक व	हर्ष व	मक	23:26:06	शनि 06/08/2023
मंगल 18/07/2034	03:50:31	मक व	नेप व	मक	10:02:35	बुध 06/06/2026
राहु 10/12/2036	08:01:37	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:37:32	केतु 06/08/2027

लग्न-चलित

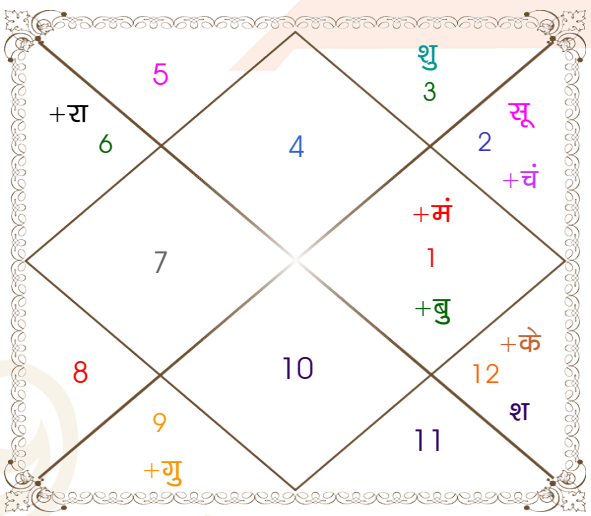

लग्न-चलित

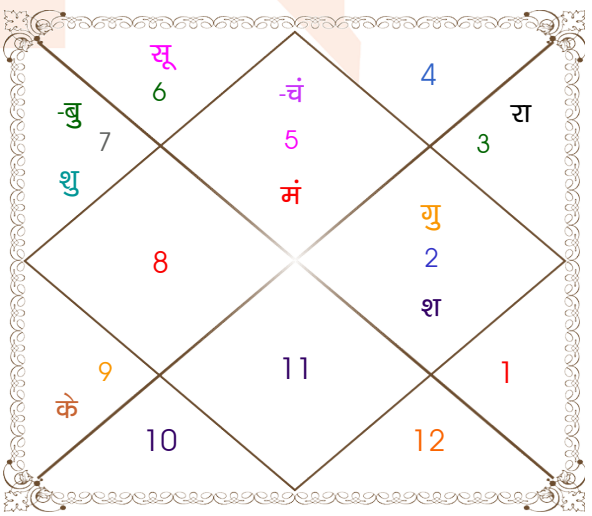

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।